डॉ० शशि भूषण
अतिथि सहायक प्राध्यापक
हिन्दी विभाग
एस० आर० ए० टी० कॉलेज,
बारा चकिया।

B.A. Part-2
हिन्दी प्रतिष्ठा
Paper-III

Date:- 21-02-2022

Page No.
Date

प्रगतिवाद

प्रगति शब्द का अर्थ आगे बढ़ाना है, किन्तु हिन्दी में प्रगतिवादी शब्द का प्रयोग इस अर्थ में नहीं होता। जो विचारधारा राजनीतिक क्षेत्र में साम्यवाद या मार्क्सवाद कहलाती है, वही साहित्यिक क्षेत्र में प्रगतिवाद के नाम से जानी जाती है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि साम्यवादी विचारधारा के अनुरूप लिखी गई कविता प्रगतिवादी कविता है।

साम्यवादी विचारधारा के आधार पर समाज को दो वर्गों में बाँटा जा सकता है →

1) शोषक वर्ग - शोषक वर्ग के अन्तर्गत वे पूंजीपति, मिलमालिक, उद्योगपति और जमींदार आते हैं, जो गरीबों और मजदूरों का शोषण करते हैं।

2) शोषित वर्ग - शोषित वर्ग के अन्तर्गत गरीब, मजदूर, किसान और श्रमिक आते हैं, जिसका शोषण किया जाता है।

साम्यवादी विचारक समाज में समता स्थापित करना चाहते हैं और यह चाहते हैं कि शोषण की प्रक्रिया बन्द हो। इसलिए प्रगतिवादी कविता भी शोषण का विरोध करती है।

Scanned by CamScanner